चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 17 फ़रवरी 2026, अंक –217.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

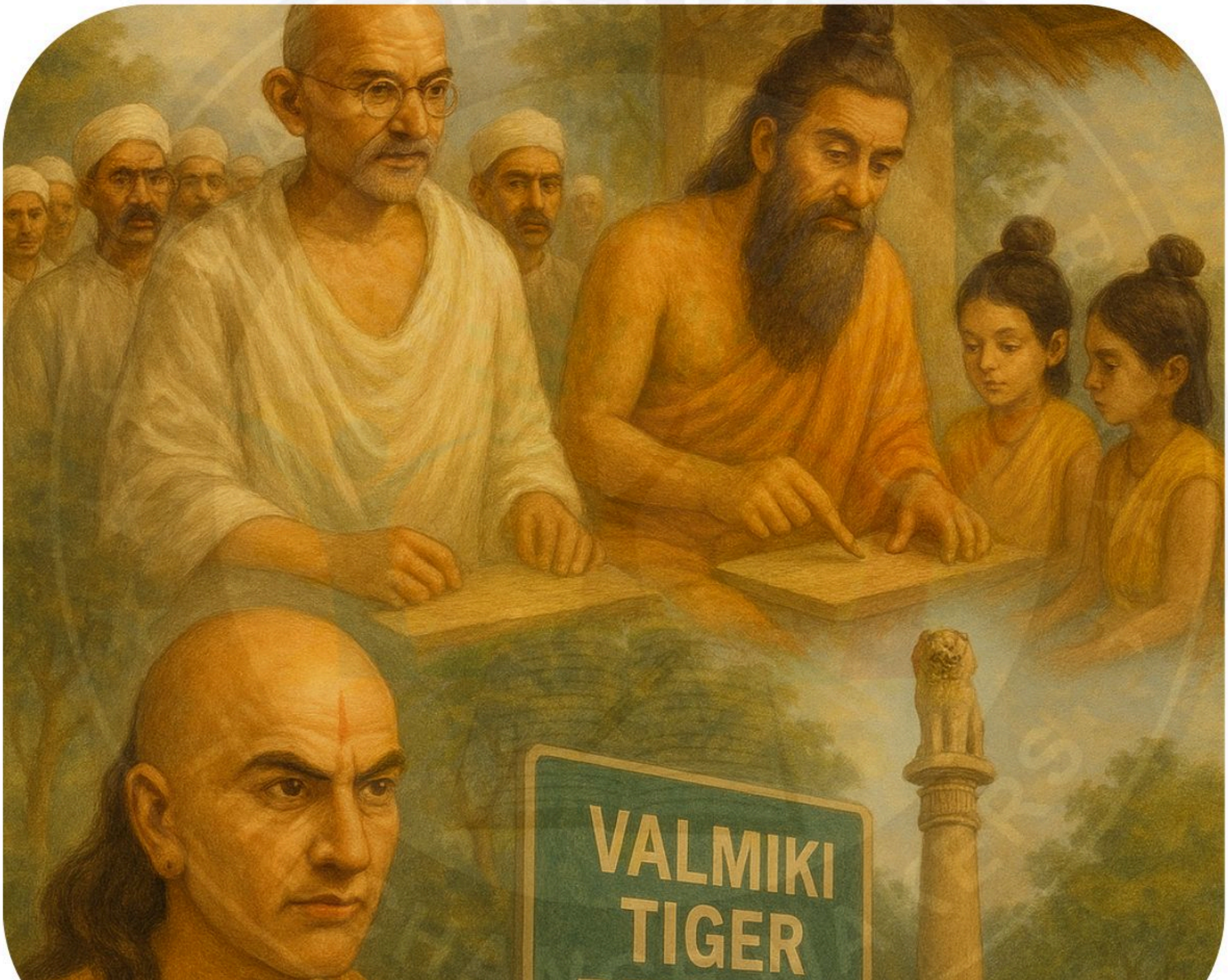

"लक्ष्य पर ध्यान दो, बाधाएँ छोटी लगेंगी।"

— कन्फ्यूशियस

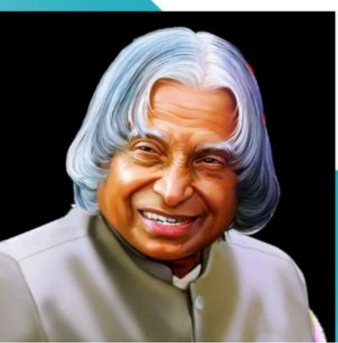

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

1: म्यांमार (बर्मा) की राजधानी कहाँ है?
उत्तर:नायप्यीडॉ (नेपिडॉ)
प्रश्न 2: परमाणु बम बनाने वाले भारत के पहले वैज्ञानिक कौन माने जाते हैं?
उत्तर:डॉ. होमी जहांगीर भाभा (परमाणु कार्यक्रम के जनक)
प्रश्न 3: पहाड़ी गाने और 'चा' (चाय) की संस्कृति किस राज्य/क्षेत्र से गहराई से जुड़ी है?
उत्तर:दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) / सिक्किम
प्रश्न 4: रोमन अंक 'C' का हिंदी अंक में मान क्या है?
उत्तर:100
प्रश्न 5: नेपाल में 'मदार बाबा का मेला' किस सूफ़ी संत की याद में लगता है?
उत्तर: नेपाल के नवलपरासी और महलबारी (वाल्मीकिनगर के पास) में सैयद बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार (सूफी संत) की याद में यह मेला हर साल फरवरी महीने में लगता है।
प्रश्न 6: भारत का पहला समुद्री राष्ट्रीय उद्यान कौन सा है?
उत्तर: कच्छ की खाड़ी में स्थित मरीन नेशनल पार्क (गुजरात)
प्रश्न 7: डीएनए (DNA) की संरचना की खोज किसने की?
उत्तर:जेम्स वाटसन और फ्रांसिस क्रिक (1953)
प्रश्न 8: भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव कौन करता है?
उत्तर:एक निर्वाचन मंडल (संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य)
प्रश्न 9: 'अमृत' का विलोम शब्द बताइए।
उत्तर:विष, ज़हर
प्रश्न 10: वह कौन सा पक्षी है जो पीछे की ओर भी उड़ सकता है?
उत्तर:गुंजन पक्षी (हमिंगबर्ड)

संकलन:-

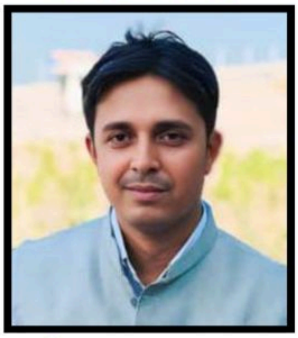

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Begin (बिगिन) – शुरू करना
Began (बिगैन) – शुरू किया
Begun (बिगन) – शुरू किया गया

Bring (ब्रिंग) – लाना
Brought (ब्रॉट) – लाया
Brought (ब्रॉट) – लाया गया

Buy (बाय) – खरीदना
Bought (बॉट) – खरीदा
Bought (बॉट) – खरीदा गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Personal Information

In which class do you study? -आप किस कक्षा में पढ़ते हैं?
I study in Class 5. - मैं कक्षा 5 में पढ़ता/पढ़ती हूँ।
Where do you live? - आप कहाँ रहते हैं?
I live at Chiutaha. - मैं चिउटाहां में रहता/रहती हूँ।

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहाँ
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 18 फरवरी को किस महान वैज्ञानिक की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: आचार्य जगदीश चंद्र बसु
व्याख्या: 18 फरवरी को महान वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बसु की जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म 30 नवंबर 1858 को हुआ था और निधन 23 नवंबर 1937 को हुआ। उन्होंने रेडियो विज्ञान और सूक्ष्म तरंगों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध किया तथा यह प्रतिपादित किया कि पौधों में भी जीवन होता है और वे दर्द महसूस करते हैं। उन्होंने 'क्रेस्कोग्राफ' नामक यंत्र का आविष्कार किया जो पौधों की वृद्धि को मापता है।
संदर्भ: भारतीय विज्ञान अकादमी; विज्ञान प्रसार।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस भारतीय राज्य ने 'जलवायु अनुकूल कृषि' (Climate Resilient Agriculture) के लिए विश्व बैंक से 500 मिलियन डॉलर का ऋण स्वीकृत कराया है? (समसामयिकी)
उत्तर: बिहार
व्याख्या: फरवरी 2026 के मध्य में, बिहार सरकार ने 'जलवायु अनुकूल कृषि परियोजना' के लिए विश्व बैंक से 500 मिलियन डॉलर का ऋण स्वीकृत कराया है। इस परियोजना का उद्देश्य राज्य के किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों (अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़) से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना, जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देना और सूखा-सहिष्णु फसल किस्मों को विकसित करना है।
संदर्भ: विश्व बैंक प्रेस विज्ञप्ति, फरवरी 2026; बिहार सरकार कृषि विभाग।

3. "द डिस्कवरी ऑफ इंडिया" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: "द डिस्कवरी ऑफ इंडिया" भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इसे उन्होंने 1942-1946 के बीच अहमदनगर किले में कारावास के दौरान लिखा था। यह पुस्तक भारत के इतिहास, संस्कृति, दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक भारत तक की यात्रा का वर्णन है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 इतिहास, अध्याय 9 (राष्ट्रीय आंदोलन का अंतिम चरण)।

4. 'जलवायु परिवर्तन' के संदर्भ में 'ग्रीनहाउस प्रभाव' को बढ़ाने वाली प्रमुख गैस कौन सी है? (पर्यावरण)
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड
व्याख्या: ग्रीनहाउस प्रभाव पृथ्वी के वायुमंडल में मौजूद कुछ गैसों द्वारा सूर्य की गर्मी को रोकने की प्रक्रिया है। कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) मानव गतिविधियों जैसे जीवाश्म ईंधन दहन, वनोन्मूलन और औद्योगिक प्रक्रियाओं से सर्वाधिक मात्रा में उत्सर्जित होती है और वैश्विक तापन में सबसे अधिक योगदान देती है। अन्य ग्रीनहाउस गैसों में मीथेन (CH_4), नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) और क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) शामिल हैं।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 7 भूगोल, अध्याय 4 (वायु); एनसीईआरटी कक्षा 9 विज्ञान, अध्याय 14 (प्राकृतिक संसाधन)।

5. प्राचीन भारत में 'जल प्रबंधन' की कौन सी उन्नत प्रणाली गुजरात के धौलावीरा में मिली है? (इतिहास)
उत्तर: जलाशय (रिजर्वायर)
व्याख्या: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित धौलावीरा हड़प्पा सभ्यता का एक प्रमुख नगर था। यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता जल संरक्षण की उन्नत प्रणाली है। यहाँ विशाल जलाशय (रिजर्वायर) बनाए गए थे, जिनमें वर्षा का जल एकत्रित किया जाता था। ये जलाशय पत्थरों से निर्मित थे और इनमें पानी भरने के लिए नहरें भी बनाई गई थीं। यह प्रणाली दर्शाती है कि हड़प्पा के लोग जल संरक्षण के महत्व को समझते थे।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (प्रारंभिक नगर)।

"सामान्य-ज्ञान"

6. 'जलवायु परिवर्तन' के कारण हिमालयी क्षेत्र में कौन सी प्राकृतिक आपदा का खतरा सबसे अधिक बढ़ गया है? (भूगोल)

उत्तर: हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड - GLOF)

व्याख्या: जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे हिमनद झीलों (ग्लेशियल लेक्स) का निर्माण हो रहा है। इन झीलों का जलस्तर बढ़ने पर ये अचानक फट सकती हैं, जिससे भारी मात्रा में पानी, कीचड़ और मलबा नीचे की घाटियों में आ जाता है। इस घटना को हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) कहते हैं। यह उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है।

संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 11 भूगोल, अध्याय 7 (प्राकृतिक संकट एवं आपदाएँ); भारतीय

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'पर्यावरण संरक्षण' को नागरिकों के मौलिक कर्तव्य के रूप में शामिल किया गया है? (संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 51A(g)

व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A(g) में कहा गया है कि "भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीवन हैं, रक्षा करे और उसका संवर्द्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे।" यह अनुच्छेद 42वें संविधान संशोधन (1976) के माध्यम से जोड़ा गया था। यह नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करता है।

संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2 (भारतीय संविधान में अधिकार)।

8. 'वायु प्रदूषण' के कारण होने वाला प्रमुख रोग कौन सा है? (विज्ञान)

उत्तर: श्वसन संबंधी रोग (अस्थमा, ब्रोंकाइटिस)

व्याख्या: वायु प्रदूषण के कारण वायुमंडल में हानिकारक गैसें (सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड) और सूक्ष्म कण (पार्टिकुलेट मैटर) बढ़ जाते हैं। ये प्रदूषक श्वसन तंत्र में प्रवेश करके अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से हृदय रोग और तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 विज्ञान, अध्याय 18 (वायु एवं जल प्रदूषण)।

9. 'पेड़-पौधों के संरक्षण' के लिए प्रसिद्ध 'बिश्नोई समुदाय' किस राज्य में निवास करता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: राजस्थान

व्याख्या: राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में निवास करने वाला बिश्नोई समुदाय पर्यावरण संरक्षण के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इस समुदाय के लोग पेड़-पौधों और वन्य जीवों की रक्षा को अपना धर्म मानते हैं। 1730 ईस्वी में अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में 363 बिश्नोई लोगों ने खेजड़ली वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। यह पर्यावरण संरक्षण का पहला ज्ञात बलिदान था।

संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 इतिहास, अध्याय 8 (राष्ट्रीय आंदोलन का संगठन); राजस्थान लोक संस्कृति।

10. बिहार के किस जिले में 'जल संरक्षण' के लिए प्रसिद्ध 'नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य' स्थित है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: जमुई

व्याख्या: नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य बिहार के जमुई जिले में स्थित दो मीठे पानी की झीलों (नागी और नकटी) पर आधारित है। यह अभयारण्य प्रवासी पक्षियों के लिए प्रसिद्ध है, जो साइबेरिया, मंगोलिया और चीन से सर्दियों में यहाँ आते हैं। यह स्थान जल संरक्षण और जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए स्थानीय समुदाय सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

संदर्भ: बिहार सरकार वन एवं पर्यावरण विभाग; एनसीईआरटी कक्षा 8 भूगोल, अध्याय 2।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (तृतीय शनिवार) के निर्धारित टॉपिक के अनुसार, 'वायु प्रदूषण' को कम करने हेतु दो प्रमुख उपाय क्या हैं? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: वृक्षारोपण एवं सार्वजनिक परिवहन का उपयोग

व्याख्या: प्रस्तुत कैलेंडर के अनुसार, फरवरी माह के तृतीय शनिवार को "जलवायु परिवर्तन: जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों के संरक्षण" विषय पर जानकारी दी जाती है। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है, क्योंकि पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से निजी वाहनों की संख्या घटती है, जिससे जीवाश्म ईंधन का दहन कम होता है और वायु प्रदूषण में कमी आती है। साइकिल चलाना और पैदल चलना भी वायु प्रदूषण कम करने के अन्य उपाय हैं।

संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (बिहार) फरवरी 2026 कैलेंडर; एनसीईआरटी कक्षा 8 विज्ञान,

12. यदि 'JAL' को 'LCN' लिखा जाता है और 'BHUMI' को 'DJWOK' लिखा जाता है, तो उसी कूट में 'VAYU' को क्या लिखा जाएगा? (मानसिक योग्यता)

उत्तर: XCAW

व्याख्या: यहाँ प्रत्येक अक्षर को अंग्रेजी वर्णमाला में दो स्थान आगे वाले अक्षर से बदला गया है।
. J (10) → L (12), A (1) → C (3), L (12) → N (14). अतः JAL → LCN.
· B (2) → D (4), H (8) → J (10), U (21) → W (23), M (13) → O (15), I (9) → K (11). अतः BHUMI → DJWOK., इसी नियम (+2) के अनुसार VAYU: V (22) → X (24), A (1) → C (3), Y (25) → A (1) [क्योंकि 25+2=27, 27-26=1 → A], U (21) → W (23).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Describe (डिस्क्राइब) = Explain (एक्सप्लेन) = वर्णन करना
Antonym – Misrepresent (मिसरेप्रेज़ेंट) = गलत प्रस्तुत करना

2. Courage (करिज) = Bravery (ब्रेव्री) = साहस
Antonym – Cowardice (कावर्डिस) = कायरता

3. Discover (डिस्कवर) = Find (फाइंड) = खोज निकालना
Antonym – Lose (लूज़) = खो देना

4. Improve (इम्प्रूव) = Enhance (एन्हांस) = सुधार करना
Antonym – Worsen (वर्सन) = बिगाड़ना

5. Honest (ऑनेस्ट) = Truthful (ट्रुथफुल) = ईमानदार
Antonym – Dishonest (डिसऑनेस्ट) = बेईमान

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. NGT clears major Nicobar infrastructure project with safeguards
राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने अंडमान-निकोबार में प्रस्तावित बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के साथ मंजूरी दी है। यह परियोजना बंदरगाह, हवाई अड्डा और लॉजिस्टिक हब के विकास से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे भारत की सामरिक स्थिति और समुद्री व्यापार क्षमता मजबूत होगी तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

2. India plans indigenous high-speed trains capable of 280 kmph
भारत सरकार ने स्वदेशी 280 किमी/घंटा गति वाले हाई-स्पीड ट्रेन निर्माण की योजना पर जोर दिया है। वंदे भारत ट्रेनों की सफलता के बाद यह पहल रेलवे तकनीक और निर्माण क्षमता को उन्नत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे परिवहन दक्षता बढ़ेगी और भारत वैश्विक रेल तकनीक में प्रतिस्पर्धी बनेगा।

3. Board examinations begin across states with enhanced monitoring
देशभर में विभिन्न बोर्ड परीक्षाएँ कड़ी निगरानी के बीच शुरू हुईं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, डिजिटल मॉनिटरिंग और सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। शिक्षा विभाग ने पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है, जो शिक्षा प्रशासन और परीक्षा प्रबंधन सुधारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

INTERNATIONAL NEWS

4. Global discussions intensify on Gaza reconstruction and security plan
गाजा क्षेत्र के पुनर्निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएँ तेज हो गई हैं। कई देशों और संगठनों ने संयुक्त योजना और वित्तीय सहयोग का प्रस्ताव रखा है। यह पहल पश्चिम एशिया में स्थिरता और मानवीय सहायता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

5. Ukraine seeks long-term security guarantees from allies
यूक्रेन ने अपने सहयोगी देशों से दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी की मांग की है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच सैन्य और आर्थिक सहायता पर चर्चा जारी है। यह घटनाक्रम वैश्विक कूटनीति, सुरक्षा नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

6. Annular solar eclipse to occur on February 17, 2026
17 फरवरी 2026 को वलयाकार सूर्य ग्रहण (Annular Solar Eclipse) घटित होगा, जिसमें चंद्रमा सूर्य के मध्य से गुजरते हुए "रिंग ऑफ फायर" का दृश्य उत्पन्न करेगा। यह खगोलीय घटना विज्ञान और अंतरिक्ष अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है तथा विश्वभर के वैज्ञानिक इसके अवलोकन की तैयारी कर रहे हैं।

BIHAR NEWS

7. Agniveer recruitment rally begins in Muzaffarpur for 15 districts
मुजफ्फरपुर में 17 फरवरी से अग्निवीर भर्ती रैली शुरू हो रही है, जिसमें 15 जिलों के लगभग 7000 अभ्यर्थी भाग लेंगे। भर्ती प्रक्रिया चक्कर मैदान में आयोजित होगी और सुरक्षा तथा पारदर्शिता के विशेष प्रबंध किए गए हैं। यह युवाओं के रोजगार और रक्षा सेवाओं में अवसर के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

8. Bihar board matric exams begin with strict monitoring system
बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा 17 फरवरी से कड़े सुरक्षा प्रबंधों के साथ शुरू हुई। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, डिजिटल उपस्थिति और उड़नदस्ते तैनात किए गए हैं। शिक्षा विभाग ने नकल रोकने और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं।

SPORTS NEWS

9. Rahid Khan creates history by taking 700 wickets in T20 cricket
अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी रहीद खान ने टी-20 क्रिकेट में 700 विकेट पूरे कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वे इस प्रारूप में सबसे तेज 700 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। यह उपलब्धि विश्व क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है और खेल इतिहास में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

10. ICC Men's T20 World Cup 2026 matches continue with intense competition
आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले जारी हैं। सेमीफाइनल की दौड़ को लेकर टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। खिलाड़ियों का प्रदर्शन और रणनीति क्रिकेट प्रेमियों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के खेल करंट अफेयर्स के लिए महत्वपूर्ण है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️संदेश:

"समसामयिक ज्ञान निरंतर अभ्यास से परिपक्व होता है — रोज़ पढ़ें, विश्लेषण करें और आगे बढ़ें।"

प्रेरक कहानी
"इम्तहान"

17 फरवरी।

बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा आरम्भ हो चुकी है। परीक्षा केंद्र के बाहर विद्यार्थियों की भीड़ में विवेक कुमार अपने भाई गोलू और दोस्तों के साथ खड़ा है। आज उन सबकी परीक्षा का पहला दिन है। चेहरों पर हल्की-सी घबराहट है, लेकिन आँखों में उम्मीद और आत्मविश्वास की चमक भी झलक रही है।

विवेक कोई विशेष नहीं, बल्कि आम छात्रों की भांति एक सामान्य छात्र है — जिसके मन में उत्साह भी है और संशय भी। वह सोचता है, क्या प्रश्न कठिन होंगे? क्या तैयारी पर्याप्त है? तभी उसे अपने शिक्षकों की बातें याद आती हैं—
"बोर्ड परीक्षा जीवन की एक अहम सीढ़ी है, जो आगे के करियर की नींव रखती है।"

उसे अपना वह दिन भी याद आता है जब आठवीं कक्षा में उसका एक आइडिया इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में जिला स्तर पर चयनित हुआ था। उस छोटी-सी सफलता ने उसके भीतर यह विश्वास जगा दिया था कि यदि सोच नई हो और प्रयास सच्चा, तो साधारण छात्र भी असाधारण उपलब्धि पा सकता है।

हाल ही में विद्यालय में देखी गई परीक्षा पे चर्चा ने उसका डर कम किया। साथ ही प्रतिदिन पढ़े जाने वाले 'चंपारण ज्ञानाग्रह' ई-पत्रिका में जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार सर के प्रेरणादायक, परीक्षोपयोगी आलेख उसे नई ऊर्जा देते रहे। उन शब्दों ने सिखाया कि सफलता तैयारी, अनुशासन और आत्मविश्वास से मिलती है।

प्रधानाध्यापक राकेश कुमार राव सर का मार्गदर्शन भी उसे निरंतर प्रेरित करता है कि जीवन के हर इम्तहान को सकारात्मक दृष्टि से देखो।
आज विवेक मन ही मन संकल्प लेता है—परिणाम चाहे जो हो, प्रयास सच्चा रहेगा।

वह समझ चुका है कि प्रेरणा दूर नहीं, हमारे आसपास ही होती है। बस उसे पहचानकर आत्मसात करना ही सच्ची सफलता की शुरुआत है।

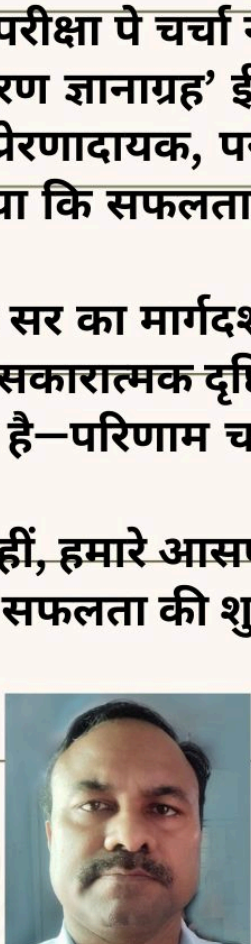

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

"परीक्षा और मूल्यांकन?"

17.02.2026

विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में “परीक्षा और मूल्यांकन” दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण शब्द हैं, किन्तु अक्सर इन दोनों को एक ही समझ लिया जाता है। वास्तव में परीक्षा और मूल्यांकन में मूलभूत अंतर है, जिसे समझना प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। यदि हम इन दोनों की सही भूमिका समझ लें, तो शिक्षा प्रक्रिया अधिक प्रभावी, संवेदनशील और परिणामकारी बन सकती है।

परीक्षा सामान्यतः एक निश्चित समय पर आयोजित की जाने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से यह देखा जाता है कि विद्यार्थियों ने किसी विषय को कितना याद किया या समझा है। यह प्रायः लिखित प्रश्नों के माध्यम से होती है और इसका उद्देश्य बच्चों को अंक देना या उनकी शैक्षणिक स्थिति निर्धारित करना होता है। उदाहरण के रूप में वार्षिक परीक्षा, अर्धवार्षिक परीक्षा या मासिक परीक्षा को हम परीक्षा की श्रेणी में रखते हैं। परीक्षा हमें एक समय विशेष पर विद्यार्थी की उपलब्धि का एक सीमित चित्र दिखाती है, परंतु यह हमेशा उसके वास्तविक ज्ञान, कौशल और समझ का पूर्ण आकलन नहीं कर पाती।

इसके विपरीत मूल्यांकन एक व्यापक और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। यह केवल परीक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे वर्ष बच्चे के सीखने, समझने, व्यवहार, सहभागिता, रचनात्मकता और कौशल विकास का समग्र आकलन करता है। मूल्यांकन का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं, बल्कि यह जानना होता है कि बच्चा कहाँ अच्छा कर रहा है और कहाँ उसे सुधार की आवश्यकता है। मूल्यांकन शिक्षक को यह दिशा देता है कि किस विद्यार्थी को अतिरिक्त सहायता की जरूरत है, किसे अधिक अभ्यास की आवश्यकता है और किसे प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाया जा सकता है।

एक सरल उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। मान लीजिए किसी बच्चे ने गणित की परीक्षा में कम अंक प्राप्त किए। परीक्षा हमें केवल यह बताएगी कि उसके अंक कम आए हैं, लेकिन मूल्यांकन यह समझने में सहायता करेगा कि उसे कठिनाई कहाँ है—क्या वह पहाड़ा भूल जाता है, क्या उसे प्रश्न समझने में परेशानी होती है, क्या उसे पर्याप्त अभ्यास नहीं मिला या वह परीक्षा के समय घबरा गया। इस प्रकार मूल्यांकन समस्या की जड़ तक पहुँचने और उसका समाधान खोजने में मदद करता है, जबकि परीक्षा केवल परिणाम बताती है।

शिक्षण प्रक्रिया में दोनों की अपनी-अपनी उपयोगिता है। परीक्षा से विद्यार्थियों में अनुशासन, तैयारी और समय प्रबंधन की भावना विकसित होती है, जबकि मूल्यांकन से सीखने की निरंतरता बनी रहती है और सुधार की दिशा स्पष्ट होती है। यदि शिक्षक केवल परीक्षा पर निर्भर रहें, तो कई बच्चे पीछे छूट सकते हैं; लेकिन यदि मूल्यांकन को साथ लेकर चलें, तो प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया जा सकता है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे बिना डर के सीखने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों में परीक्षा और मूल्यांकन दोनों का संतुलित और संवेदनशील उपयोग किया जाए। परीक्षा को भय का कारण न बनाकर सीखने का अवसर बनाया जाए तथा मूल्यांकन को मार्गदर्शन और सुधार का माध्यम समझा जाए। जब शिक्षक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इन दोनों को अपनाते हैं, तब शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और जीवनोपयोगी सीख का सशक्त माध्यम बन जाती है।

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"परीक्षा पर चर्चा "

"पहला बड़ा परीक्षा अनुभव – डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव"

17.02.2026 आज 17 फरवरी 2026 से बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा प्रारंभ हो रही है। हजारों विद्यार्थी पहली बार अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर औपचारिक बोर्ड परीक्षा देने जा रहे हैं। स्वाभाविक है कि मन में हल्का डर, नई जगह की जिज्ञासा और परिणाम को लेकर दबाव महसूस हो। लेकिन यही वह क्षण है जब विद्यार्थी अपने भीतर छिपी वास्तविक क्षमता को पहचानते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "परीक्षा पर चर्चा" में कहा था कि परीक्षा जीवन का उत्सव है, बोझ नहीं। जब हम इसे उत्सव की तरह लेते हैं, तो मन हल्का रहता है और प्रदर्शन बेहतर होता है। पहली बोर्ड परीक्षा हर विद्यार्थी के जीवन में एक नया अनुभव होती है—यह अनुभव आपको मजबूत बनाता है और आत्मविश्वास का नया अध्याय खोलता है।
पहली बार सेंटर पर जाने वाले विद्यार्थियों के लिए सबसे जरूरी है कि वे इस दिन को किसी चुनौती के बजाय एक अवसर के रूप में देखें। परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुँचना, बैठने की व्यवस्था को समझना और शांत मन से प्रश्नपत्र पढ़ना—ये छोटे कदम बड़े आत्मविश्वास का आधार बनते हैं। याद रखें, हर विद्यार्थी आपके जैसा ही है; सभी के मन में थोड़ी घबराहट होती है। फर्क केवल इतना होता है कि जो विद्यार्थी स्वयं को शांत रखते हैं, वही बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

डर से बाहर निकलने का सबसे सरल उपाय है—गहरी साँस लेना और स्वयं से सकारात्मक संवाद करना। परीक्षा कक्ष में बैठने से पहले 30 सेकंड आँखें बंद कर यह कहें, "मैं तैयार हूँ, मैं शांत हूँ, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।" यह छोटा-सा अभ्यास मन को स्थिर कर देता है। प्रश्नपत्र मिलने पर जल्दबाजी न करें; पहले पूरे प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें, फिर सरल प्रश्नों से शुरुआत करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और समय प्रबंधन बेहतर होता है।
अभिभावकों के लिए भी आज का दिन महत्वपूर्ण है। बच्चों को परीक्षा केंद्र भेजते समय केवल इतना कहें—"शांत रहो, अपना सर्वश्रेष्ठ देना।" यह विश्वास उनके मन को हल्का करता है। शिक्षकों की भूमिका भी उतनी ही अहम है; उनका प्रोत्साहन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को मजबूत बनाता है।

प्रिय विद्यार्थियों, यह आपकी पहली बड़ी परीक्षा है, लेकिन याद रखें—यह केवल शुरुआत है, मंज़िल नहीं। हर प्रश्न आपके ज्ञान को परखने आया है, आपको डराने नहीं। मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश करें और संतोष के साथ बाहर निकलें।
आप सक्षम हैं, तैयार हैं और सफल होने की पूरी क्षमता रखते हैं।
डर नहीं, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़िए—आपकी मेहनत अवश्य रंग लाएगी।
कल फिर मिलते हैं। जय हिंद! जय बिहार!🇮🇳

..................✍️
रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org